कोटा-बूंदी लोकसभा में 70 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ

कोटा (निसं)। कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र में शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ है। अनुमानित तौर पर कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र में करीब 70. 45 प्रतिशत मतदान का आंकड़ा सामने आ रहा है। कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र आते हैं।

विधानसभा क्षेत्रवाइज मतदान प्रतिशत के अनुमानित आंकड़े के अनुसार बूंदी विधानसभा क्षेत्र में 71.50 प्रतिशत,केशवरायपाटन विधानसभा क्षेत्र में 68.35 प्रतिशत, कोटा उत्तर विधानसभा क्षेत्र में 69.47 प्रतिशत , कोटा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में 70.76 प्रतिशत, लाडपुरा विधानसभा क्षेत्र में 71.17 प्रतिशत, पीपलदा विधानसभा क्षेत्र में 65.35 प्रतिशत, रामगंज मंडी विधानसभा क्षेत्र में 74.12 प्रतिशत और सांगोद विधानसभा क्षेत्र में 72.17 प्रतिशत मतदान का अनुमानित आंकड़ा अभी तक सामने आया है। लोकसभा आम चुनाव 2024 अंतर्गत मतदान दिवस पर शुक्रवार 26 अप्रेल को कोटा में मतदान के लिए मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। वरिष्ठजन, दिव्यांगजन, ट्रांसजेंडर, नव मतदाता सभी ने देश के प्रति अपने कर्तव्य को सर्वोपरी रखते हुए मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के लिए विभिन्न श्रेणियों में बूथों को सुसज्जित किया गया। पिंक, युवा, ग्रीन, यूनिक, मॉडल, दिव्यांग आदि थीम पर मतदाताओं ने उत्साह के साथ वोट डाले।

मतदान के प्रति उत्साह हैप्पी आवर्स में अधिक देखने को मिला। गर्मी के चलते शुरूआती घंटों में अधिक मतदाता मतदान के लिए पहुंचे। मतदान केन्द्रों पर गर्मी से बचाव के मध्यनजर छाया, शीतल जल, बैठक व्यवस्था की सुविधाएं दी गई। साथ ही ओआरएस घोल पिलाने की भी विशेष व्यवस्था की गई।

जिले में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में महिला, युवा, दिव्यांग, हरित एवं विभिन्न थीम आधारित बूथ बनाकर उन्हें विशेष प्रकार से सुसज्जित किया गया। जिनका मतदाताओं में खासा आकर्षण रहा। इन बूथों पर मतदाताओं ने मतदान के बाद उत्साह के साथ फोटो खिचवाए और सेल्फी ली। बूथों पर मतदाताओं का पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया गया। हैप्पी आवर्स में वोटिंग करने वाले मतदाताओं को प्रमाण पत्र दिए गए। हरित बूथों पर पौधारोपण भी करवाया गया। दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं को सुगम मतदान कराने के लिए वॉलिंटियर्स सक्रिय रहे। उन्होंने व्हीलचेयर पर ऐसे मतदाताओं को मतदान स्थल तक लाने ले जाने में सहायता की।

इन मतदाताओं के जज्बे को सलाम- गुंजारा, लोढ़ाहेडा में 108 वर्षीय भूरी बाई मतदान केन्द्र पर व्हीलचेयर के माध्यम से पहुंचकर लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज कराई। इसी तरह दादाबाड़ी स्थित विद्या मंदिर स्कूल में मतदान केन्द्र पर 93 वर्ष की मतदाता महेंद्र कौर ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाई। विधानसभा क्षेत्र कोटा उत्तर में सूरजपोल के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बूथ नम्बर 180 पर 90 वर्ष की मतदाता शांति बाई मतदान बूथ पर पहुंची और लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाई।

न्यू बोर्न के साथ किया मतदान- तलवंडी स्थित मतदान केन्द्र पर अपने न्यू बोर्न बेबी के साथ पति-पत्नी पहुंचे जहां उन्होंने अपने मताधिकार के बाद सेल्फी बूथ पर न्यू बोर्न के साथ प्रसन्नता से फोटोशूट कराया।

विवाह की रस्मों के बीच बूथ पर पहुंची मुस्कान- सुल्तानपुर में युवती मुस्कान ने लोकतंत्र के प्रति अपनी बडी जिम्मेदारी समझते हुए विवाह रस्मों के बीच मताधिकार का प्रयोग किया। वह मेहंदी सजे हाथों से उत्साह के साथ बूथ पर पहुंची और मतदान किया।

नव मतदाताओं में छाया उल्लास- पहली बार मतदान कर रहे युवाओं में भी मतदान करने को लेकर उत्साह देखने को मिला। विभिन्न बूथों पर नव मतदाता उत्साह के साथ पहुंचे और स्याही के निशान के साथ सेल्फी ली। प्रथम बार मतदान करने वाले नव मतदाता को प्रमाण पत्र प्रदान किए। तलवंडी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बने बूथ पर एनआरआई युवती ने मतदान किया। उन्होंने बताया कि वो खासतौर से मतदान के लिए भारत आई हैं।

किन्नर समुदाय ने निभाई जिम्मेदारी- लोकतंत्र के महोत्सव में किन्नर समुदाय ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा किन्नर समुदाय के मतदाताओं का मतदान केंद्र पर माला पहनकर अभिनंदन किया एवं उनको मतदान के लिए शुभकामनाएं भी दी। किन्नर समुदाय के मतदाता समूह में मतदान केंद्र पर पहुँचे एवं मतदान किया एवं सभी अन्य लोगों को सही उम्मीदवार चुनने के लिए प्रेरित किया। सेल्फी ली और मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया।

सुगमता से हुआ मतदान- मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग एवं वरिष्ठजनों के लिए सुगम मतदान की आदर्श व्यवस्थाएं रहीं। मतदान बूथ पर दिव्यांग एवं वरिष्ठजन मित्रों ने दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं को सुगम एवं सरल तरीके से मतदान करने में सहायता की। प्रत्येक बूथ पर दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए व्हील चेयर एवं वॉलिंटियर की व्यवस्था की गई।

जेईई-एडवांस्ड 2024 के आवेदन 27 अप्रेल से

- परीक्षा 26 मई को दो पारियों में देश के 300 से अधिक परीक्षा शहरों में आयोजित होगी
- एक अप्रेल के बाद का ही ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट मान्य होगा
- आवेदन की अंतिम तिथि सात मई है

कोटा, (निसं)। देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड के आवेदन 27 अप्रैल से शुरू होने जा रहे हैं। यह परीक्षा इस वर्ष आईआईटी मद्रास द्वारा आयोजित की जा रही है। आवेदन की अंतिम तिथि 7 मई है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि परीक्षा 26 मई को दो पारियों में देश के 300 से अधिक परीक्षा शहरों में आयोजित की जाएगी।

परीक्षा की आवेदन प्रक्रिया 27 अप्रैल शाम 5 बजे से शुरू होगी। आवेदन के लिए जेईई-मेन के आधार पर चुने हुए शीर्ष 2.50 लाख विद्यार्थी ही अपने जेईई-मेन के एप्लीकेशन नम्बर एवं बनाए गए पासवर्ड से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के दौरान विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र चुनकर दसवीं-12वीं की अंक तालिका एवं कैटेगिरी सर्टिफिकेट अपलोड करने होंगे। विशेषकर ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस के विद्यार्थियों को एक अप्रैल 2024 के बाद का ही सर्टिफिकेट देना होगा। एक अप्रैल के बाद सर्टिफिकेट ना होने की स्थिति में विद्यार्थी इनफार्मेशन बुलेटिन में दिए गए डिक्लेरेशन के माध्यम से आवेदन कर सकता है, जिससे विद्यार्थी को कैटेगिरी संबंधित दस्तावेज उपलब्ध करवाने के लिए जोसा काउंसलिंग के सीट आवंटन तक का समय मिल जाएगा।

आवेदन के दौरान विद्यार्थी देश के किसी भी शहर में परीक्षा केन्द्र चुन सकता है। इन परीक्षा केन्द्रों जेईई-मेन की परीक्षा में चुने हुए परीक्षा केन्द्रों से कोई संबंध नहीं होगा। दस्तावेज अपलोड कर विद्यार्थी को परीक्षा शुल्क का भुगतान करना होगा।

यह परीक्षा शुल्क सामान्य, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लड़कों के लिए 3200, एससी-एसटी एवं छात्रों एवं सभी छात्राओं के लिए 1600 रुपए रखी गई है। जेईई-एडवांस्ड के आवेदन में विद्यार्थियों की मूलभूत जानकारी जैसे कि विद्यार्थी, माता-पिता का नाम, कैटेगिरी, जेंडर, जन्मदिनांक, फोटो, हस्ताक्षर, कक्षा 10 व 12 की जानकारी जैसी सूचनाएं जेईई मेन के आवेदन से ही ले ली जाती है।

इनमें विद्यार्थी बदलाव भी नहीं कर सकते हैं। यदि किसी विद्यार्थी ने जेईई-मेन में त्रुटि पूर्वक कैटेगिरी में आवेदन कर दिया है और उसके पास कैटेगिरी संबंधित दस्तावेज नहीं है तो वह एडवांस्ड के आवेदन के दौरान सामान्य श्रेणी में दिए गए विकल्प पर जाकर आवेदन कर सकता है।

सार-समाचार

अंडरपास को पार करने के दौरान हादसा, गर्दन फंसने से युवक की मौत

अंता (निसं)। अंता कस्बे में दुगारी जाने के रास्ते पर बने अंडरपास को पार करने के लिए पिकअप जैसे ही अंदर घुसी पीछे बैठा मांगीलाल पुत्र जगन्नाथ तंवर (35) खड़ा हो गया। अंडरपास की हाइट कम होने से पिकअप में लगी एंगल और अंडरपास के बीच मांगीलाल की गर्दन फंस गई। पीछे बैठे अन्य लोगों के शोर मचाने के बाद ड्राइवर ने पिकअप रोका, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हादसे के बाद पिकअप में सवार ड्राइवर समेत सभी लोग मौके से फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के बाद राहगीर हादसे को देखकर सहम गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने टायरों की हवा निकालकर युवक के शव को बाहर निकाला और अंता हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। थानाधिकारी अंता दिग्विजय सिंह ने बताया कि पिकअप व अंडरपास की चपेट में आने से मांगीलाल की मौत हो गई। पुलिस ने पिकअप को जब्त कर लिया है। वहीं पिकअप में सवार अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

बूंदाबांदी के बीच में मतदान हुआ

भवानीमंडी (निसं)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया जहां बदलते मौसम के साथ व थोड़ी थोड़ी देर में होती रही बूंदाबांदी के बीच में मतदाता मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान कर रहे थे जहां शांतिपूर्ण तरिके से मतदान हुआ। वहीं भाग संख्या 36 में पहुंचकर 107 साल की गैन्दी बाई, कुमावत ने भवानी मंडी में नगर पालिका भवन में वोट डालकर अपना मताधिकार का प्रयोग किया तो नए मतदाता भी पहली बार मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मत डालकर काफी ख़ुशी का इजहार कर रहे थे। एसडीएम छत्रपाल चौधरी ने बताया की शाम 6 बजे तककुल 70.05 मतदान हुआ है।

रावतभाटा में बूंदाबांदी हुई

रावतभाटा, (निसं)। राजस्थान में शुक्रवार को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बारिश का दौर शुरू हो गया है। इस दौरान रावतभाटा उपखंड क्षेत्र के श्रीपुरा पंचायत के भूंजरकला गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 3 व्यक्तियो की मौत हो गई। शुक्रवार को श्रीपुरा पंचायत के भूंजर कला में दोपहर को बेमौसम तेज बरसात के साथ आकाशीय बिजली गिरने से 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही अन्य लोग घायल भी हुए है। जानकारी के अनुसार मृतक बूंदी जिले के डाबी क्षेत्र के रहने वाले है।

शिकायतों का त्वरित निस्तारण

कोटा, (निसं)। निर्वाचन के दौरान सी-विजिल एप ने शिकायतों के त्वरित निस्तारण में खास भूमिका निभाई। 26 अप्रैल सायं 6:20 बजे तक 441 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें से 238 सही पाई गई और निस्तारित की गई। शिकायत निस्तारण का औसतन समय 17.11 मिनट रहा।

जेईई मेन : फीमेल कैटेगरी में सानवी जैन का शानदार प्रदर्शन

कोटा, (निसं)। एनटीए ने जेईई मेन 2024 सेशन 2 का रिजल्ट घोषित किया जिसमें 300 में से 300 के पर्फेक्ट स्कोर प्राप्त कर दो स्टूडेंट ने धमाकेदार प्रदर्शन किया।

एम.साई दिव्या तेजा रेड्डी और ऋषि शेखर शुक्ला ने 300 में से 300 का स्कोर प्राप्त कर इतिहास रच दिया। वहीं आकाश इंस्टीट्यूट के 4 स्टूडेंट एम. साई दिव्या तेजा रेड्डी, ऋषि शेखर शुक्ला, रचित अग्रवाल और सानवी जैन टॉप 100 प्रसेंटाइल में रहे। आकाश इस्टीट्यूट की क्लास रूम स्टूडेंट सानवी जैन ने फीमेल कैटेगरी में रैंक 1 अर्जित की। सानवी जैन ने ऑल इंडिया रैंक -34 प्राप्त की है।

सानवी आकाश इंस्टीट्यूट की 4 ईय़र क्लास-रूम की छात्रा है। एम.साई दिव्या तेजा रेड्डी ने भी 15 और ऋषि शेखर शुक्ला ने 19 अर्जित कर इतिहास रचा। एम. साई दिव्या तेजा रेड्डी और ऋषि शेखर शुक्ला आकाश इंस्टीट्यूट के 2 ईयर क्लास- रूम के स्टूडेंट है। रिजल्ट के अवसर पर गुरूवार को धमाकेदार रिजल्ट के साथ ही धमाकेदार जश्न भी आकाश इंस्टीट्यूट कोटा ने मनाया। रिजल्ट का जशन रोड़ नंबर एक पर स्थिति आकाश इंस्टीट्यूट के न्यू और ओल्ड दोनों कैंपस में मनाया गया, इस दौरान स्टूडेट्स ने जमकर ढोल व डीजे पर डांस किया और जमकर आतिशबाजी भी की। छात्रों के साथ-साथ फैकल्टी और आकाश की पूरी टीम ने भी जमकर जीत का जश्न मानाया और लड्डू खिलाकर एक दूसरे का मुंह मीठा काराया।

जेईई मेन 2024 सेशन 2 का रिजल्ट घोषित होने के बाद आकाश इंस्टीट्यूट में जश्न का माहौल रहा।

आकाश इंस्टीट्यूट के 7 स्टडेंट्स ने ऑल इंडिया में टॉप 100 में रैंक प्राप्त की है एम. साई दिव्या तेजा रेड्डी ने ऑल इंडियां रैंक 15वीं अर्जित की है वह आकाश इंस्टीट्यूट के 2 ईयर क्लास-रूम स्टूडेंट हैं। ऋषि शेखर शुक्ला ने ऑल इंडिया रैंक 19 वीं, रचित अग्रवाल ने ऑल इंडिया रैंक 25वीं, सानवी जैन ने फीमेल कैटेगरी में रैंक 1 और ऑल इंडिया रैंक 34वीं, श्रीराम ने ऑल इंडिया रैंक 65वीं, कृष्णा सांई शिशिर ने ऑल इंडिया रैंक 72वीं, अग्रिम भानोत ने ऑल इंडिया रैंक 81वीं प्राप्त की, ये सभी आकाश इंस्टीट्यूट के क्लासरूम स्टूडेंटस हैं। कोटा आकाश इंस्टीट्यूट के रीजनल डायरेक्टर अखिलेश दीक्षित ने कहा कि स्टूडेंट्स और उनके पीछे मेहनत करने वाले उनके माता-पिता आकाश इंस्टीट्यूट की पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई, समय है मेहनत के सफल होने का तो सेलिब्रेशन जरूरी है। मैंने पहले भी कहा था आज भी उसी बात को दोहरा रहा हूँ, शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए परिणामों में श्रेष्ठता की परंपरा को दोहराया जा सकता है और पर्फेक्ट स्कोर बार-बार लाया जा सकता है। क्वालिटी व पर्फेक्शन पर अगर हम काम करते रहें तो सफलता निश्चित है।

पश्चिम मध्य रेल
कोटा मण्डल
खुली निविदा सूचना सं. ईएल/टीआरडी/50/एनआईटी, दि. 25.04.2024

भारत के राष्ट्रपति के लिये अथवा उनकी ओर से **वरि.मं.वि.इंजी. (क.वि.), प.म.रे., कोटा,** निम्न कार्य के लिये खुली मोहरबंद ई-निविदा आमंत्रित करता है। **क्र.सं.: 1. निविदा संख्या:** ईएल-टीआरडी-कोटा-24-ईपीसी-01. **कार्य का नामः डिजाईन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टींग एण्ड कमिशनिंग ऑफ 132/55 केवी स्कोट कनैक्टड ट्रेक्शन सबस्टैशन एण्ड स्वीचिंग पोस्टस फॉर 2x25 केवी एटी फिडिंग सिस्टम इनक्लूडिंग अपग्रेडेशन ऑफ स्काडा वर्कस बिटवीन कोटा टू आरटीए सेक्शन ऑफ कोटा डिवीजन डब्ल्यू सी रेलवे इन कनैक्शन टू वर्क मिशन 3000 एमटी लोडिंग टारगेट। कार्य की अनुमानित लागतः** ₹ 133.44 करोड़। **निविदा बंद होने की दिनांक एवं समयः** दिनांक 03.06.2024 को 15.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से निविदा का सम्पूर्ण विवरण देखा जा सकें: http://www.ireps.gov.in.** पता - वरि.मं.वि.इंजी. (क.वि.) कोटा, प्रथम तल, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, प.म.रे., कोटा। ऑफर केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से **http://www.ireps.gov.in** पर स्वीकार किये जायेंगे। निविदादाता के पास क्लास III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल पर रजिस्टर्ड होना चाहिए। कोई भी निविदा मैनुअली स्वीकार नहीं है। निविदा डालने से पहले टेण्डर दस्तावेजों की स्पेशल कंडीशन व शर्तें अवश्य पढ़ लें।

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पर्यवेक्षक, संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। लोकसभा आम चुनाव 2024 अंतर्गत मतदान की व्यवस्थाओं का निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षक डॉ.एन वेंकटाचलम एवं पुलिस पर्यवेक्षक चन्द्रशेखर सोलंकी ने लिया। उन्होंने बाल विद्यालय, मोंटेसरी स्कूल, नयापुरा बाग स्थित विद्यालय सहित अन्य मतदान केन्द्र देखे।

सामान्य पर्यवेक्षक ने शंभुपुरा सहित बूंदी जिले के मतदान केन्द्रों का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने भी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी।

उन्होंने अतिरिक्त संभागीय आयुक्त बृजमोहन बैरवा के साथ कोटा-बून्दी लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा क्षेत्र कोटा दक्षिण के मतदान केन्द्र राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बल्लभनगर, मल्टीपरपज स्कूल तथा विधानसभा क्षेत्र लाड़पुरा के मतदान केन्द्र झालीपुरा, विधानसभा क्षेत्र सांगोद के मतदान केन्द्र पोलाईकलां तथा सीमलिया व गढ़ेपान का निरीक्षण किया। संभागीय आयुक्त ने बारां-झालावाड़ लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र अन्ता के मतदान केन्द्र संख्या 176 व 177 तथा 189, 190 व 191 का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दिव्यांग मतदाताओं के लिये व्हीलचेयर व केयर टेकर तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिये रैम्प आदि की व्यवस्थाओं का मुआयना करते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किये।

उन्होंने मतदाताओं से वार्ता कर आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की जिसमें मतदाता सन्तुष्ट पाये गये। इससे पूर्व संभागीय आयुक्त ने जिला कलक्ट्रेट में स्थापित वेब कास्टिंग कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण किया जिसके माध्यम से विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में सम्पन्न होने वाली मतदान की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने सिविल लाईन्स, गांवडी क्षेत्र में मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी तथा मतदाताओं से संवाद किया।

कार्यों की समीक्षा की

कोटा, (निसं)। भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, अनुसंधान केन्द्र, कोटा के विगत पांच वर्षो में किये गये अनुसंधान प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यों की समीक्षा भारत सरकार द्वारा गठित एक उच्च स्तरीय छह सदस्यीय क्यू.आर.टी. समिति ने दिनांक 24-26 अप्रैल, 2024 के दौरान की।

इस अवसर पर पंच वर्षीय समीक्षा समिति के अध्यक्ष भूतपूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी राष्ट्रीय वर्षा सिंचित क्षैत्र प्राधिकरण भारत सरकार, डॉ.जे.एस. सामरा ने विगत पांच वर्षो के दौरान केन्द्र पर किये गये अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार कार्यो की सराहना करते हुए भविष्य की चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, आर्टीफिशियल इंटेलीजेसं, मशीन लर्निग इत्यादि को अपने अनुसंधान में जोड़ने पर जोर दिया। समिति के अन्य सदस्यों डॉ.आर.सी. श्रीवास्तव (भूतपूर्व कुलपति) एवं जल विशेषज्ञ, डॉ.एस.के. चौहान (कृषि वानिकी), डॉ.अमित कर (कृषि अर्थशास्त्र) तथा सदस्य सचिव डॉ. प्रदीप डोगरा ने भी अपने अपने क्षेत्र में नवीन वैज्ञानिक पद्धतियों तथा अवसरो की जानकारी दी।

नाम परिवर्तन
मैंने अपना पुराना नाम शबाना खानम से बदलकर नया नाम शबाना रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-शबाना पत्नी फहीम उर रहमान 162 बी वक्फ नगर नियर सेन्ट्रल एकादमी स्कूल दादाबाड़ी कोटा

नाम परिवर्तन
मैंने अपना पुराना नाम त्रिलोक सिंह से बदलकर नया नाम त्रिलोक सिंह सोलंकी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-त्रिलोक सिंह सोलंकी पुत्र किशन चन्द्र 304-बी आर के पुरम कोटा

नाम परिवर्तन
मैंने अपना पुराना नाम मुन्नी से बदलकर नया नाम मुन्नी बाई रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-मुन्नी बाई पत्नी फरीदुद्दीन अन्सारी हनुमान चोक कनवास सांगोद कोटा

नाम परिवर्तन
मैंने अपना पुराना नाम मोहन सिंह से बदलकर नया नाम मोहन सिंह धंजल रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।
पता-मोहन सिंह धंजल पुत्र गुरबचन सिंह मकान नम्बर 72 बी श्रीनाथपुरम कोटा

27 अप्रैल से प्रत्येक शनिवार रात 21.25 बजे स्पेशल ट्रेन चलेगी

कोटा, (निसं)। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मावकाश में भीड़ को कम करने के लिए गाड़ी संख्या 09817/09818 कोटा-दानापुर-कोटा के मध्य साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में 27 अप्रैल से 30 जून 2024 के बीच साप्ताहिक रूप में चलेगी।। पूर्व में जारी अधिसूचना में आशिक संशोधन किया गया है। यह गाड़ी अब कोटा से प्रत्येक शनिवार रात 21.05 बजे प्रस्थान के बजाय रात 21.25 बजे चलेगी। गाड़ी संख्या 09817 कोटा से दानापुर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शनिवार को दिनांक 27 अप्रैल से 29 जून 2024 तक से कोटा स्टेशन से प्रत्येक शनिवार रात 21रू25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रविवार को सायं 18.30 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09818 दानापुर से कोटा स्पेशल ट्रेन प्रत्येक रविवार को दिनांक 28 अप्रैल से 30 जून 2024 तक से दानापुर स्टेशन से रात्रि 21.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सोमवार को रात 22.25 बजे कोटा पहुंचेगी।

गाड़ी के हॉल्ट-यह गाड़ी दोनों दिशाओं में बारां, सालपुरा, छबरा गुगोर, रूठियाई, गुना, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं.दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी। कोच सरंचना-इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 01 वातानुकूलित इकोनॉमी तृतीय श्रेणी, 07 शयनयान श्रेणी, 02 सामान्य श्रेणी एवं 01 एसएलआरडी, 01 जनरेटर कार सहित कुल 17 कोच होंगे।

पढ़ाई छोड़कर घर जा रहा था, फैकल्टीज ने रोका, अब बी.पी.एल. परिवार का राहुल इंजीनियर बनेगा

कोटा, (निसं)। कोटा शिक्षा के साथ संघर्ष का हौसला भी देता है। हालात से लड़ना सीखाता है और आगे बढ़ना सीखता है। जेईई-मेन के परिणामों में इसका एक उदाहरण सामने आया है। ओडिशा के अंगुल जिले के निर्धन बीपीएल परिवार के प्रतिभावान राहुल कुमार साहू की तकदीर कोटा ने बनाई है।

कोटा उसके साथ ऐसे समय खड़ा रहा जब उसे सबसे ज्यादा जरूरत थी। जेईई-मेन के परिणामों में एलन के छात्र राहुल ने 99 पर्सेन्टाइल स्कोर के साथ ऑल इंडिया रैंक 17873 तथा ओबीसी कैटेगिरी रैंक 4459 प्राप्त की। अब जेईई-एडवांस्ड की तैयारी कर रहा है। कोटा से हजारों किलोमीटर दूर ओडिशा के अंगुल जिले के परिवार ने एक सपना देखा और उसे सच करने के लिए प्रयास शुरू किए। कमजोर आर्थिक स्थिति के बावजूद इंजीनियर बनने के लिए राहुल कोटा आया। यहां एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में एडमिशन लिया। संस्थान में अपनी स्थिति बताई तो शुल्क में 50 प्रतिशत की रियायत मिली। सफर आगे बढ़ा।

मेहनत में कसर नहीं छोड़ी लेकिन जब टेस्ट के परिणाम अपेक्षानुरूप नहीं आने लगे तो राहुल परेशान हो गया। जैसे-तैसे एक साल पूरा हुआ। राहुल को लगा कि वो लक्ष्य हासिल नहीं कर सकेगा और पापा के गाढ़ी कमाई भी खराब हो जाएगी। उसने पापा से बात की और वापस लौटने का फैसला ले लिया। परीक्षा में शामिल हुए बिना ही वापस जाने के इस फैसले के संबंध में जब संस्थान में काउंसलर्स को बताया तो उन्होंने समझाया।

प्रतिभावान राहुल कुमार साहू।

मोटिवेट किया और संघर्ष से सफलता तक के कई उदाहरणों के माध्यम से प्रेरित किया। राहुल और उसके पिता को लगा कि परीक्षा में शामिल तो होना चाहिए, फिर फैकल्टीज के सहयोग और नई प्रेरणा के साथ राहुल फिर से मेहनत करने में जुट गया। संघर्ष से इस सफलता का परिणाम भी सकारात्मक रहा। जेईई-मेन में 99 पर्सेन्टाइल स्कोर किया और अब एडवांस्ड की तैयारी में जुट गया। लक्ष्य आईआईटी से बीटेक करना है।

पता नहीं था जेईई क्या होती है:- राहुल ने बताया कि मेरी मैथ्स शुरु से अच्छी है। इंजीनियर बनना चाहता था लेकिन पता नहीं था कि इसके लिए क्या करना होता है। फिर इंटरनेट से जानकारी जुटाई तो पता चला कि इसके लिए जेईई परीक्षा देनी होती है। फिर इसकी तैयारी करने का निर्णय लिया। स्कूल में टीचर्स ने बताया कि जेईई और नीट की तैयारी के लिए एलन के बारे में जानकारी ली और वर्ष 2022 में कोटा आ गया। मेरे लिए यह आसान नहीं था लेकिन 'जहां चाह होती है, वहां राह अपने आप बन जाती है'।

थड़ी से चलता है परिवार:- राहुल ने कहा कि हमारे परिवार में पहले कोई भी इंजीनियर नहीं बना। पिता सिर्फ 10वीं व मां 12वीं तक पढ़ी हैं। मेरे पिता सरोज कुमार साहू की अंगुल में ही छोटी सी थड़ी है। इसी पर परिवार निर्भर है। मां ज्योत्सना मयी साहू गृहिणी है और मेरा परिवार बीपीएल श्रेणी में है। जब मेरे कोटा जाने के निर्णय के बारे में पता चला तो रिश्तेदारों ने खुद आगे आकर मदद करने की पहल की। पहले फीस का इंतजाम किया। इसके बाद हर महीने किराए के एवं खाने के पैसे भी रिश्तेदार पैसे जोड़कर मुझे भेज देते हैं।

एलन ने की मदद:- वर्ष 2022 में कोटा आने के बाद एडमिशन लेने एलन आया। यहां मैंने अपने स्थिति के बारे में बताया। मेरी लगन और पुराने अकादमिक रिकॉर्ड को देखते हुए पहले साल मुझे संस्थान ने फीस में 50 प्रतिशत की रियायत दी। इसके बाद दूसरे साल भी रियायत दी। 10वीं कक्षा में इंटरनेशनल मैथेमेटिकल ओलंपियाड में गोल्ड मैडल जीता हूं।

कमरा खाली किया, बोरी-बिस्तार बांधा:- राहुल ने बताया कि वर्ष 2023-24 में अक्टूबर माह में आमदनी घट गई तो आर्थिक स्थिति कुछ ज्यादा ही बिगड़ गई थी। टेस्ट में मेरी परफोरमेंस भी डाउन हो गई थी। पापा ने मुझे पढ़ाने में असमर्थता जता दी। मेरे पास भी कोई उपचार नहीं था। इसलिए कोटा से जाने का निर्णय लेना पड़ा और कमरा खाली कर दिया था। यह बात एलन में फैकल्टीज को पता चली तो उन्होनें मुझे बुलाया और कहा कि 'कोटा निराश करके नहीं भेजता। यदि तुमने मेहनत की तो सपना जरूर साकार होगा।' इसके बाद मुझे संस्थान ने फीस में रियायत दी। जिससे मुझे सहारा मिला और कोटा में रह सका। फिलहाल जेईई एडवांस्ड की तैयारी में जुटा हुआ। आईआईटी जाने का सपना सच करना है।
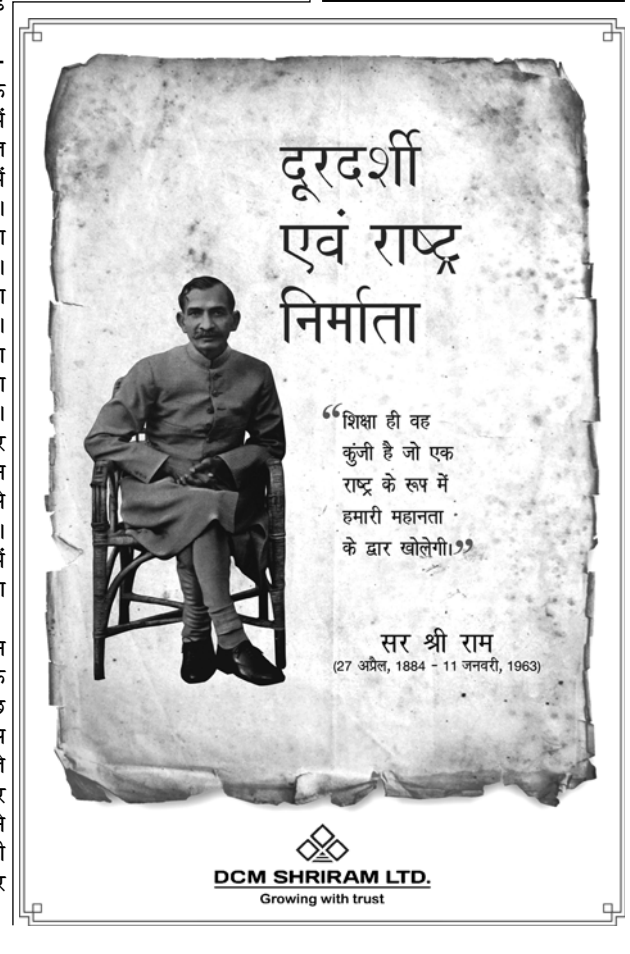
कोटा भविष्य बनाता है:- ऐलन के निदेशक नवीन माहेश्वरी ने कहा कि में पढ़ने वाले स्टूडेंट के लिए सबकुछ है। राहुल जैसे कई विद्यार्थी हैं जो प्रयास करते हैं और सफल होकर कोटा से जाते हैं। कोटा भविष्य बनाता है, यहां आकर विद्यार्थी को शिक्षा ही नहीं संघर्ष करने का हौसला भी सिखाया जाता है। यही कारण है कि इसे कॅरियर और केयर सिटी कहते हैं।